पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में जयपुर में जगह-जगह कैंडल मार्च

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों ने स्टैच्यू सर्कल पर शोक सभा और कैंडल मार्च का आयोजन किया।

श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों, छात्र/छात्राओं तथा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सवाईमानसिंह गेट सीकर रोड, जयपुर पर भावपूर्ण नम आँखों से श्रद्धांजलि दी।

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकी हमले में मारे गए छब्बीस निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए जयपुर के नागरिकों ने स्टैच्यू सर्कल पर एकत्र होकर शोक सभा और कैंडल मार्च का आयोजन किया। इस हृदय विदारक हमले में मारे गए अधिकतर लोग हिंदू समुदाय से थे।

शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गों से लोग शामिल हुए। जिन्होंने आतंकवाद के प्रति अपना आक्रोश प्रकट करते हुए नारेबाजी भी की।

इस मौन सभा में करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष किर्ति राठौड़, राजस्थान हाई कोर्ट के एडवोकेट शशांक शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता सुशील यादव, अनिता माथुर, जैन समुदाय से बसंत जैन, बैराठी सहित कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया।

करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष कीर्ति राठौड़ ने बताया कि हिन्दुओ के खून के बदले खून की मांग उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वह आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुएर एयर स्ट्राइक के माध्यम से इसका माकूल जवाब दें। उन्होंने कहा हमें एकजुट होकर इस जिहादी मानसिकता का मुकाबला करना होगा। जो समाज को तोड़ना और नष्ट करना चाहती है। क्षत्रिय सदैव समाज की रक्षा के लिए लड़े हैं। यदि सरकार इस तरह के जघन्य कृत्यों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहती है, और कठोर कदम नहीं उठती है,तो करणी सेना सड़कों पर उतरकर जवाब देगी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे उनकी दृढ़ संकल्प की भावना झलकती थी।

राजस्थान हाईकोर्ट के एडवोकेट शशांक शर्मा ने आंतरिक मिलीभगत की आशंका जताते हुए कहा कि यह हमला हिंदुत्व को कमजोर करने की साजिश है सरकार को इसका करारा जवाब देना चाहिए। इस तरह का बड़ा हमला और बिना स्थानीय मदद और आंतरिक मदद के संभव नहीं हो सकता। यह हमला हिंदुत्व को कमजोर करने की साजिश है अगर एक प्रतिशत लोग भी ऐसे राष्ट्र-विरोधी तत्वों को पनाह देते हैं तो उनकी संख्या हमारी सशस्त्र सेनाओं से अधिक हो सकती है और वे हमारी सेना के लिए चुनौती बन सकते हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अन्यथा हिंदुओं पर हमले जारी रहेंगे।

श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कैण्डल मार्च किया

जयपुर। कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले में अपनों से बिछुड़े निर्दोष पर्यटकों को श्री भवानी निकेतन सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों, छात्र/छात्राओं तथा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने सवाईमानसिंह गेट सीकर रोड, जयपुर पर भावपूर्ण नम आँखों से श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर डेस में उपस्थित सैनिक स्कूल के नन्ने-मुन्ने विद्यार्थियों ने शहादत को प्राप्त हुए पर्यटकों को नम आँखों से सैल्यूट किया। उपस्थित छात्र/छात्राओं की चेहरे पर थे आतंकवाद के खिलाफ गुस्से व आक्रोस के भाव। आतंकवाद मुर्दाबाद व पाकिस्तान होश में आओ के लगे नारे। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ जन आयोग के पूर्व अध्यक्ष गोपाल सिंह शेखावत, श्री भवानी निकेतन शिक्षा समिति के अध्यक्ष नगेन्द्र सिंह बगड़, उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह जैसलाण, सचिव सुदर्शन सिंह सुरपुरा, संयुक्त सचिव जालिम सिंह हुड़िल, कोषाध्यक्ष श्याम सिंह मण्ढ़ा, सदस्य दिलीप सिंह छापोली, गुलाब सिंह मेड़तिया एवं महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा, संस्था प्रधान, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। उपस्थित लोगों ने लिया राष्ट्र के प्रति समर्पण तथा भारत सरकार के द्वारा आतंकवाद को समाप्त करने के लिए लिये जाने वाले हर एक निर्णय के समर्थन का संकल्प।

आतंकी हमले की कड़ी निंदा

निर्माण नगर ए बी उत्तर पश्चिम नागरिक विकास समिति, जयपुर की ओर से शोक सभा का आयोजन किया गया।

जयपुर। निर्माण नगर ए बी उत्तर पश्चिम नागरिक विकास समिति, जयपुर द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकवादी हमले में शहीद हुए निर्दोष पर्यटकों एवं नागरिकों की स्मृति में एक आपातकालीन शोक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में समिति के पदाधिकारियों, संरक्षकगण, वरिष्ठ नागरिकों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

सभा की शुरुआत समिति के महासचिव जी एल जांगिड़ ने की, जिन्होंने सभी उपस्थित जनों का हार्दिक स्वागत करते हुए इस हृदय विदारक घटना पर शोक व्यक्त किया और आपातकालीन बैठक बुलाए जाने का कारण स्पष्ट किया। समिति अध्यक्ष पी आर भंसाली ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे सम्पूर्ण मानवता पर हमला बताया और शहीदों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की। समिति के संरक्षक एच एस गोयल ने भारत सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कदम उठाने की अपील की। वरिष्ठ सदस्य सीताराम शर्मा ने असामाजिक तत्वों के आर्थिक बहिष्कार का आव्हान करते हुए युवाओं से देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए जागरूक व सतर्क रहने का संदेश दिया। सभा में उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों ने भी इस जघन्य नरसंहार की कड़े शब्दों में निंदा की।

अविरण अश्रुधारा के बीच पहलगाम में मारे गए नीरज का अंतिम संस्कार

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के शिकार नीरज उधवानी (33) का गुरुवार को अंतिम संस्कार किया गया। बड़े भाई किशोर उधवानी ने मुखाग्नि दी। झालाना स्थित मोक्षधाम में पत्नी आयुषी नीरज की पार्थिव देह के पास हाथ जोड़कर बिलखती रही। परिवार वालों के बार-बार संभालने के बावजूद उसकी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे।

इससे पहले घर के बाहर नीरज के अंतिम दर्शन के बाद उनकी पत्नी आयुषी मुड़-मुड़कर देखती रही। वह शव के पास से हटने को तैयार नहीं थी। बमुश्किल परिवार वाले आयुषी को नीरज के शव से दूर ले गए। 22 अप्रैल को आतंकी हमले में जयपुर के नीरज उधवानी (33) भी मारे गए थे। आतंकियों ने पत्नी आयुषी के सामने ही नीरज को गोली मारी थी। बुधवार की रात 8:15 बजे इंडिगो फ्लाइट से उनका शव जयपुर लाया गया था। मॉडल टाउन (मालवीय नगर) स्थित फॉरेस्ट व्यू रेजीडेंसी के रहने वाले नीरज उधवानी दुबई में जॉब करते थे। वह पत्नी आयुषी के साथ कश्मीर घूमने गए थे। कश्मीर से आयुषी ने जेठ किशोर उधवानी (नीरज के बड़े भाई) को फोन कर कहा था कि नीरज को गोली लग गई है। इसके बाद नीरज के बड़े भाई किशोर, भाभी शुभि जयपुर से कश्मीर के लिए रवाना हुए थे।

शाहपुरा हाउस में दी श्रद्धांजलि

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए क्रूर आतंकी हमले ने समस्त देशवासियों को गहरे शोक में डुबो दिया है। इस अमानवीय कृत्य में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शाहपुरा हाउस, जयपुर में एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का आयोजन फिक्की राजस्थान के सह-अध्यक्ष महाराज सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा और शाहपुरा होटल समूह की निदेशक रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर शाहपुरा हाउस के समस्त कर्मचारियों, देश-विदेश से आए पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों ने एकत्रित होकर शहीदों के सम्मान में कैंडल मार्च निकाला।

शाहपुरा होटल समूह की संस्थापिका रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा "हमारे शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। इस दुखद घड़ी में प्रत्येक भारतीय की आँखें नम हैं, किंतु हृदय में आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ संकल्प की ज्वाला प्रज्वलित है।"

बेहतर काम करने वाले अन्य राज्यों के कार्यों का भी अध्ययन हो : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अध्यक्षता में आरएसआरडीसी की 128वीं बोर्ड बैठक ली।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में राजस्थान स्टेट रोड़ डवलपमेट कॉर्पोरेशन की 128 वीं बोर्ड बैठक हुई। आरएसआरडीसी सभाभवन में गुरूवार को हुई इस बैठक मे वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुये उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र व मध्यप्रदेश के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल की स्टडी करें ताकि आरएसआरडीसी को वित्तीय रूप से मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के कॉर्पोरेशन जो बेहतरीन काम कर रहे है उनकी बेस्ट प्रेक्टिसेज को भी प्रदेश में लागू किया जाये।

उपमुख्यमंत्री ने आरएसआरडीसी के कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कहते हुये क्वालिटी कन्ट्रोल विंग को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि संचालित परियोजनाऐं निश्चित समय अवधि में पूरी हों और आरएसआरडीसी के पास जो राष्ट्रीय राजमार्ग है उन्हें एनएच को सौंपने की कार्यवाही को त्वरित गति से करें,ताकि केन्द्र सरकार से राशि प्राप्त कर इन राष्ट्रीय राजमार्गो को सुदृढ़ किया जा सके। बैठक में अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री को बताया की आरएसआरडीसी का वर्ष 2025-26 का टर्नओवर लगभग 6500 से 7 हजार करोड़ अनुमानित है जो कि गत वर्ष से लगभग दुगुना है।

इस दौरान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव डीआर मेघवाल सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं आरएसआरडीसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पर्यावरण संरक्षण पर होगा मंथन

जयपुर। शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर एवं विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 26 अप्रैल को एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। यह संगोष्ठी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित होगी।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को समझना, उच्च शिक्षा में नवाचार को बढ़ावा देना तथा युवाओं में पर्यावरणीय चेतना को विकसित करना है। संगोष्ठी में देशभर के शिक्षा विशेषज्ञ, नीति निर्माता, पर्यावरणविद एवं विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में किया जाएगा। यह अवसर शिक्षाविदों, शोधार्थियों और छात्रों को विचार-विमर्श के एक साझा मंच पर लाने का कार्य करेगा, जिससे शिक्षा एवं पर्यावरण के क्षेत्र में प्रभावी पहल की जा सकेगी।

मृतक ससुर की आश्रित नहीं है नौकरी पेशा पुत्रवधु : हाईकोर्ट

जयपुर। हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि नौकरी पेशा पुत्रवधू को मृतक ससुर का आश्रित नहीं मान सकते। पुत्रवधु को उस स्थिति में ही मृतक ससुर की जगह पर अनुकंपा नियुक्ति का हकदार मान सकते हैं, जब उसके ऊपर ही पूरे परिवार की देखभाल की जिम्मेदारी हो और अन्य कोई आश्रित परिवार की मदद के लिए नहीं हो। वहीं अदालत ने मृतक के बेटे की अनुकंपा नियुक्ति को निरस्त करने वाले 20 दिसंबर 2024 के आदेश को रद्द करते हुए याचिकाकर्ता को सेवा में लगातार माना है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश रवि रावत की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। मामले से जुडे अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि याचिकाकर्ता के पिता पीएचईडी विभाग में कार्यरत थे। सरकारी सेवा में रहते हुए उसके पिता आनंद सिंह रावत की मृत्यु हो गई और उनकी जगह पर याचिकाकर्ता को 22 मार्च 2023 को विभाग में जूनियर असिस्टेंट के पद पर नियुक्ति का आदेश जारी किया। वहीं याचिकाकर्ता की पत्नी की शिकायत पर विभाग ने 20 दिसंबर, 2024 को आदेश जारी कर उसकी अनुकंपा नियुक्ति को रद्द कर दिया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ : भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री ने की बजट 2025-26 की समीक्षा बैठक
- 'खुशहाल और समृद्ध राजस्थान हमारा लक्ष्य, तय समय में पूरा करें बजटीय घोषणाएं'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट 2025-26 में राजस्थान को आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकासोन्मुखी बनाने का रोडमेप तैयार किया गया है। बजट में राज्य की सभी 200 विधानसभाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूर्ण जिम्मेदारी से काम करते हुए तय समय में बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति सुनिश्चित करें, जिससे आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना को गति मिल सके। शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पहली बार प्रस्तुत ग्रीन बजट से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। प्रदेश को हरित राजस्थान बनाए रखने के लिए सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों के माध्यम से ग्रीन ऑडिट करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत राज्य में करोड़ों की संख्या में पौधारोपण किया गया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में पारिस्थितिकी संतुलन के लिए जन जागरूकता बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राजीविका मिशन के तहत 20 लाख महिलाओं को लखपति दीदी योजना से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने सहकारिता विभाग एवं राजीविका को आपसी समन्वय बनाते हुए काम करने के निर्देश दिए, जिससे सहकारी बैंक भी मजबूत होंगे तथा महिलाओं को भी आर्थिक संबल मिलेगा। शर्मा ने कहा कि आयुष्मान राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। उन्होंने समस्त जिला चिकित्सालयों में डे-केयर सेंटर बनाने एवं डायबिटिक क्लिनिक स्थापित करने सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य बजटीय घोषणाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा इन्हें समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 5 हजार उचित मूल्य की दुकानों पर अन्नपूर्णा भंडार खोलने के लिए तेज गति से काम करें। साथ ही, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजीविका से सामन्जस्य स्थापित कर उनके उत्पादों की बिक्री तथा ब्रांडिंग को भी बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सके। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर मुख्यमंत्री कार्यालय में नियमित रूप से भेजें। मुख्यमंत्री ने जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उन्हें सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में तेजी लाई जाए एवं नियमित मॉनिटिरिंग की जाए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खान एवं पेट्रोलियम, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, गोपालन, पंचायतीराज, श्रम एवं उद्यानिकी जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस राजनैतिक रोटियां सेंकना बंद करें : बेढ़म

- मुख्यमंत्री के सफल शेखावाटी दौरे से बौखलाई कांग्रेस : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। एक तरफ जहां देश पहलगाम आतंकी हमले से दु:खी है, वहीं दूसरी तरफ वो राजनैतिक रोटियां सेंक रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई का कार्यकर्ता मुख्यमंत्री के काफिले में आकर के व्यवधान पैदा करता है और उसकी कानून सम्मत गिरफ्तारी होती है। उसके विरोध में श्री डोटासरा डीजीपी ऑफिस पर धरने पर बैठ जाते हैं और सबसे शर्मनाक तो यह है कि इस प्रकरण के संबंध में डोटासरा ने जो अमर्यादित टिप्पणी की है, जिसको बहन-बेटियों के सामने सुन भी नहीं सकते।

जवाहर बेढ़म ने कहा कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के डीजीपी ऑफिस के बाहर और कांग्रेस मुख्यालय पर दिए गए बयान से कांग्रेस की नीयत और कांग्रेस के कल्चर में खोट साफ प्रदर्शित होती है। मुख्यमंत्री के लिए शेखावाटी में आकर के दिखाने की चुनौती आपकी गुंडई भाषा है। इस तरह की भाषा का उपयोग राजनीतिक क्षेत्र में मेरे हिसाब से आपके कद को बढ़ाता नहीं है। आज राजस्थान की जनता आपके इस बयान पर थू-थू कर रही है और आप कह रहे है कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता को पकड़ा। आप वो दिन भूल गए कि आपके मकान के सामने किसी ने नाथी का बाड़ा लिख दिया था, उन युवा मोर्चा के कार्यकताओं को पुलिस ने प्रताड़ित किया। जिले एवं संभाग टूटना, ये आपकी ही गलत नीतियों का नतीजा था। पिछली कांग्रेस सरकार ने अध्ययन ही नहीं किया। गोविन्द सिंह डोटासरा जी के बयान की निंदा करता हूं और कांग्रेस के नेताओं को चेतावनी भी देना चाहता हूं कि अपने नेताओं को प्रशिक्षण दीजिए, राजस्थान की जनता माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ खड़ी है।

खाद्य एवं नागरिक आपूत्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले से पूरे देशभर में रोष व्याप्त है, लेकिन कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा सस्ती राजनीति कर नौटंकी कर रहे हैं। उन्होंने डीजीपी मुख्यालय पर जो अपशब्द बोले हैं, वो कांग्रेस की पोषित रीति और नीति को उजागर करते हैं।

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने डोटासरा के अभ्रद बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पूरा राष्ट्र पहलगाम आतंकी हमले से गुस्से में है। ऐसे समय में कांग्रेस पार्टी के नेता बौखलाहट में अमर्यादित बयानबाजी कर रहे हैं। ये किसी भी रूप में उचित नहीं है। मुख्यमंत्री अभी सीकर, झुंझुनूं और चूरू के तीन दिवसीय दौरे पर थे, वहां के नागरिकों ने मुख्यमंत्री का शानदार और जानदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी भी वहां लोगों से आत्मीयता के साथ मिले।

एन.एस.यू.आई. कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस का धरना

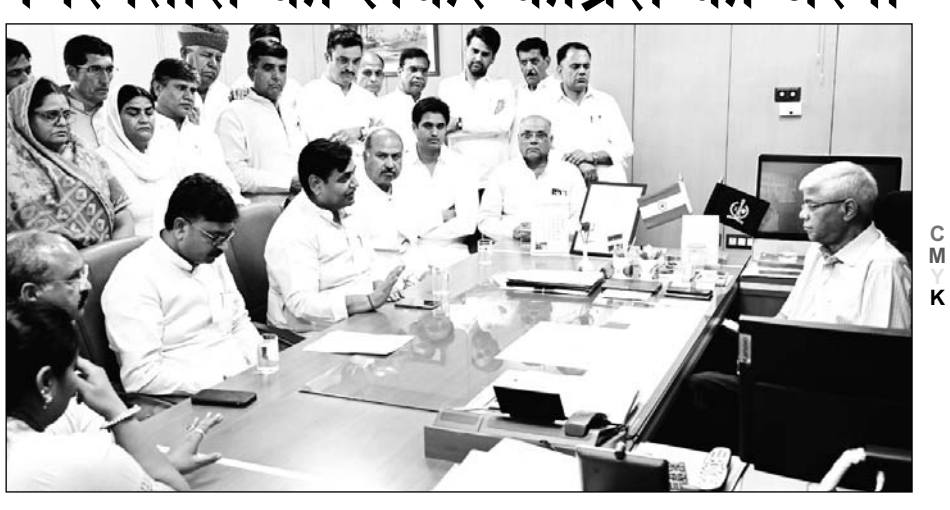

एनएसयूआई के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस महानिदेशक मुख्यालय पर धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और कई विधायक एवं कांग्रेस नेता शामिल रहे।

जयपुर। एक तरफ पूरा देश पहलगाम आतंकी हमले के शोक में डूबा हुआ है, दूसरी तरफ राजस्थान में राजनीतिक तापमान चरम पर है। एनएसयूआई के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेता और विधायक गुरुवार को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय पर पुलिस महानिदेशक चैंबर के बाहर धरने पर बैठ गए। धरने में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, और कई विधायक एवं कांग्रेस नेता शामिल रहे।

जानकारी के अनुसार इस धरने का मुख्य कारण सीकर में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लेकर है। तीन दिन पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सीकर दौरे के दौरान एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ओपी नागा ने सीकर संभाग की बहाली की मांग करते हुए काला झंडा दिखाया था। इस घटना के बाद पुलिस ने एनएसयूआई अध्यक्ष सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने केवल एक प्रदर्शन के आधार पर एनएसयूआई से जुड़े कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को भी परेशान करना शुरू कर दिया है। जो छात्र उस विरोध में शामिल भी नहीं थे, उन्हें भी बिना वजह गिरफ्तार किया गया है। नेताओं ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे कुछ मंत्री, कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाने के निर्देश दे रहे हैं।

वहीं, इस धरने को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह धरना केवल एनएसयूआई की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं है। विपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने कहा कि जल्द ही इस विषय को लेकर विधानसभा और सड़क दोनों जगह आंदोलन तेज किया जाएगा। अब यह सरकार छात्र, युवा और लोकतांत्रिक विरोध की आवाज को भी कुचल रही है। यह सरकार छात्रों से डर रही है।